भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2581
23/03/2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

समुदी कचरे का आकलन

2581. # श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मंत्रालय द्वारा समुद्री कचरे के आकलन के लिए कोई कार्य किया जा रहा है;

(ख) बंगाल की खाडी, अरब सागर और हिन्द महासागर में कुल कितना कचरा जमा है और इनमें से सबसे अधिक कचरा किस क्षेत्र में है; और

(ग) क्या मंत्रालय किसी अन्य विभाग के साथ मिलकर इस कचरे को हटाने की कार्य योजना बना रहा है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हाँ। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र के माध्यम से और पर्यावरण और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय राष्ट्रीय सतत तटीय प्रबंधन केंद्र (NCSCM) के माध्यम से समुद्री कचरे के आकलन में सक्रिय रूप से शामिल रहा है।

(ख) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संबद्ध कार्यालय, राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (NCCR) ने बंगाल की खाड़ी में समुद्री कचरे पर एक अध्ययन किया और अनुमान लगाया कि बंगाल की खाड़ी में प्लास्टिक कचरे का कुल वजन लगभग 3819 टन था। इसके अलावा, भारतीय तट के लिए यदा-कदा मापन/रिपोर्ट उपलब्ध हैं। यद्यपि, अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर के लिए तुलनात्मक आधार पर समुद्री कचरे की कुल मात्रा उपलब्ध नहीं है।

(ग) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने आज़ादी का अमृत महोत्सव के संदर्भ में भारतीय समुद्र तटों की सफाई के लिए स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर अभियान शुरू किया है और "स्वच्छ तट और सुरक्षित समुद्र" के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा की है। सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से समुद्र के स्वास्थ्य में सुधार के लिए 75 दिनों तक चलने वाला नागरिक-नेतृत्व वाला अभियान 03 जुलाई 2022 को शुरू किया गया और 17 सितंबर 2022 को अंतर्राष्ट्रीय तटीय स्वच्छता दिवस पर समाप्त हुआ। इस आयोजन के दौरान 75 समुद्र तटों को स्वच्छ किया गया। इसके अलावा, स्वच्छ भारत अभियान, राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना, स्वच्छ सागर अभियान, तटीय स्वच्छ समुद्र, ब्लू-फ्लैग समुद्र तट प्रमाणन आदि जैसे समुद्री कचरा प्रबंधन कार्यक्रम के संबंध में विभिन्न गतिविधियां चल रही हैं।

*****